ज़हर अंडे और घरौंदों पर आसानी से चुपड़ा जा सकता है।

सांप और बाज पिटोहुई का शिकार करते हैं। उन पर इस ज़हर का कोई प्रभाव नहीं होता। स्थानीय लोग इस ज़हर से परिचित होने के कारण उसका नाम तक नहीं लेते। उसके बचे रहने का यह एकमात्र कारण लगता है। फिर भी भूख बलवती होती है। अगर भोजन का कोई जुगाड़ नहीं बैठता तो न्यू गिनी के आदिवासी पिटोहुई को पकड़कर, उसके पंख मरोड़कर उसे क्षुधा का साधन बनाने से नहीं चूकते। वे यह ज़हर पचाने का साहस दिखाते हैं। आगे चलकर पक्षी निरीक्षक और वैज्ञानिक डबैचर ने इस पक्षी का विशेष अध्ययन किया। उसका ज़हर और उसके स्थान के बारे में खूब खोजबीन की। तब कहीं जाकर उन्होंने इस ज़हर को डार्ट फ्रॉग के समान पाया। डार्ट फ्राग की तीन जातियों में ज़हर की मात्रा अत्यधिक होती है। इस तुलना में पिटोहुई के ज़हर का प्रभाव सौम्य होता है। इस कुल से असंबद्ध 'इफ्राटा' नामक पक्षी में भी इस प्रकार का ज़हर पाया जाता है। वैज्ञानिकों ने उसके जहरीले तत्व को होमोबैट्राको टॉक्सिन नामक वर्ग में वर्गीकृत किया है। संरचना में यह डार्ट मेंढक में पाए जाने वाले बैट्राको टॉक्सिन नामक ज़हर से सम्बंधित है।

पिटोहुई और इफ्रिटा चींटियां तथा दीमक, गिंजाई, केंचुए, कीड़े वगैरह खाते हैं। एक अनुमान है कि इस भोजन से ज़हर निर्मित होता है। उसका नारंगी-काला रंग उस पर हमला करने वालों को खतरे की चेतावनी देता होगा। आज तक वह अपने ज़हरीले हथियार से अपनी रक्षा कर पाया होगा। फिर भी केवल न्यू गिनी तक ही अपने आवास को सीमित रखने वाले इन पक्षियों की आबादी प्राकृतिक और अन्य कारणों से लगातार कम होती जा रही है। इसलिए इन्हें संकटग्रस्त प्रजातियों की श्रेणी में रखा गया है। *(स्रोत फीचर्स)*

आकाश दर्शन का आनंद

पिछले कई माह से स्रोत के अंतिम पृष्ठ पर आकाश का मानचित्र दिया जा रहा है। आपने शायद इसका उपयोग भी किया होगा और आकाश में राशियां, ग्रह, तारामंडलों को खोजने का प्रयास भी किया होगा। इस अंक में दिया मानचित्र 1 मई रात 10 बजे के लिए है। पृथ्वी की परिक्रमा गति की वजह से रोज़ाना आकाश थोड़ा बदला हुआ नज़र आता है। आकाश की जो स्थिति 15 मई की रात 9 बजे है, ठीक वही स्थिति 16 मई की रात 8 बजकर 56 मिनट पर आएगी और 14 मई रात 9 बजकर 4 बजे भी होगी। ऐसे करते-करते 15 दिन में 1 घण्टे का अंतर पड़ जाता है। यानी इसी नक्शे का उपयोग आप 15 मई रात 9 बजे के लिए और 30 मई रात 8 बजे के लिए भी कर सकते हैं। हां एक बात का ध्यान रखना होगा कि हो सकता है कि 15 मई रात 9 बजे आकाश में चांद चमक रहा होगा इसलिए तारे धुंधले पड़ जाएंगे। चांद की स्थिति में रोज़ लगभग 50 मिनट का अंतर पड़ता है।

इस माह आकाश में कर्क, सिंह, कन्या और तुला राशियां साफ दिखाई देंगी। वैसे तो वृश्चिक और मिथुन भी नज़र आएंगी मगर समस्या यह होगी कि वृश्चिक 9 बजे उदय हो रही होगी और मिथुन का अस्त हो रहा होगा। लिहाज़ा 'मिथुन' को देखना मुश्किल होगा और 'वृश्चिक' का आकाश में ऊपर आने तक इंतज़ार करना होगा। कन्या राशि खोजने के लिए पूर्व के आकाश में देखिए। पश्चिमी क्षितिज से करीब 25 अंश ऊपर आपको तारों का एक समूह नज़र आएगा जिसे कन्या राशि का नाम दिया है।

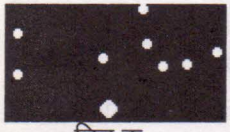

चित्र क

चित्र ख

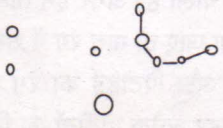

चित्र ग

आकाश में पूरी राशि चित्र क जैसी दिखती है और हमारे तारों के चार्ट में चित्र ख जैसी। मगर इसे आसानी से पहचानने के लिए बेहतर होगा कि पहले आप उसका एक हिस्सा पहचान लें जो कुछ-कुछ चित्र ग जैसा होगा।

वैसे यदि आप ग्रह पहचान पाएं तो 15 मई को कन्या राशि के कुछ पूर्व में तुला राशि के पास चन्द्रमा होगा। शेष जानकारी नक्शे में देखें।